



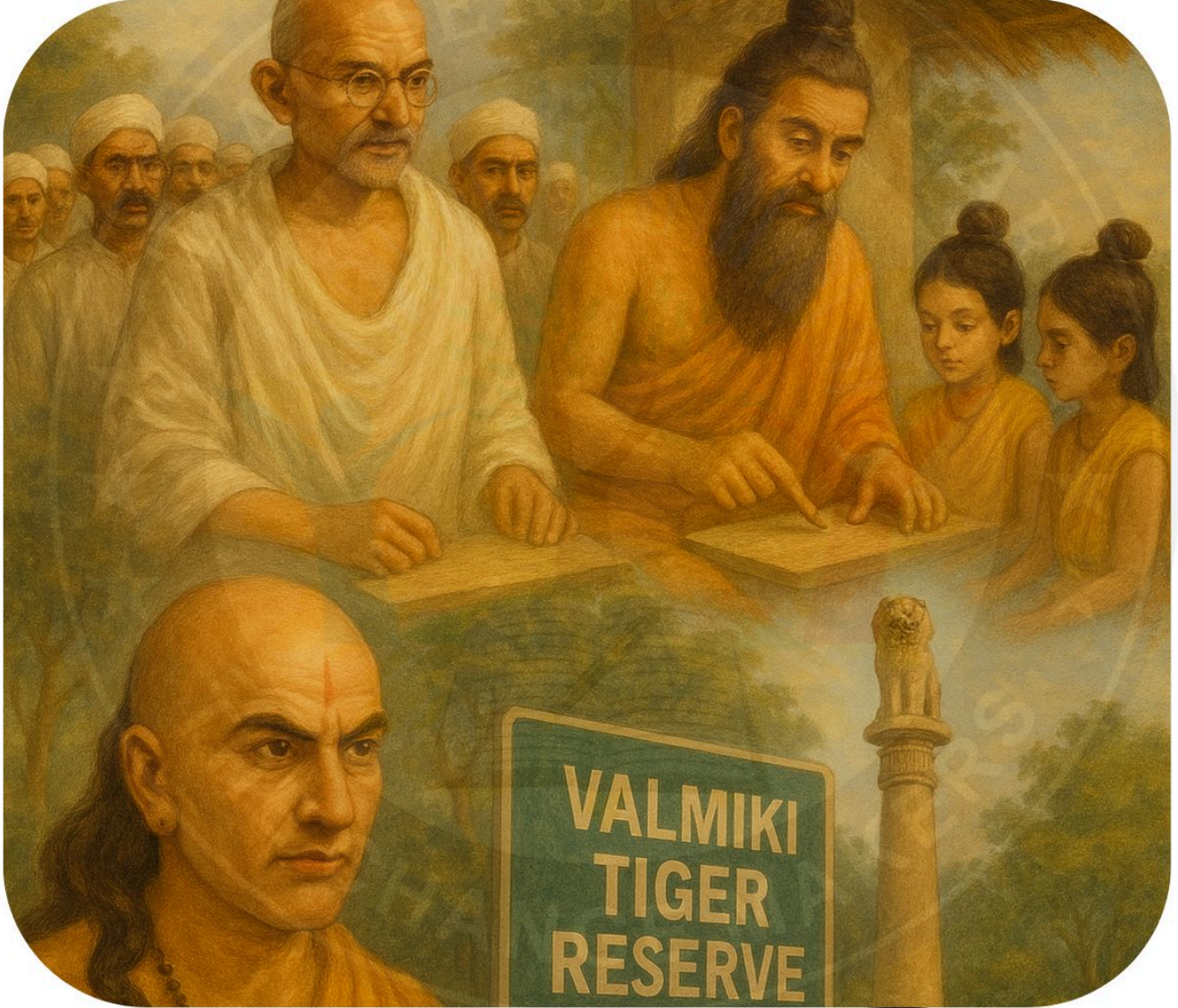
चम्पारण ज्ञानाग्रह



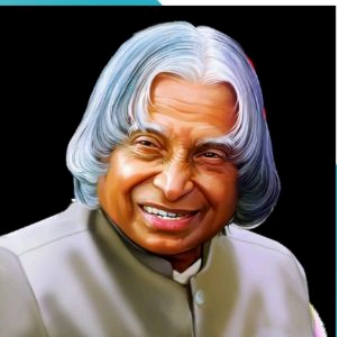
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक- 02 फ़रवरी 2026, अंक -205.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"समस्या यह नहीं है कि हल कौन करेगा, समस्या यह है कि पहल कौन करेगा !" - संजय कुमार



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक
उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार

www.teachersofbihar.org



Monday Prayerबिहार राज्य गीतराष्ट्रीय गीतराष्ट्रगान

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....
मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....
मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्मों का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाएं हम।
हां, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाएं हम।
तुम्हीं से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....
गुरुओं का सत्कार कभी न भूलें हम,
इतना बनें महान गगन को छु लें हम।
हां, इतना बनें महान गगन को छु लें हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्हीं से शाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

मेरे भारत के कंठहार,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करुणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू ही अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन बन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

वन्दे मातरम्।

सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यश्यामलां मातरम्।

वंदे मातरम् !

शुभ्रज्योत्स्नां पुलकितयामिनीम्
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्
सुखदां वरदां मातरम्॥

वन्दे मातरम्।

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे॥

संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,

भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14-18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19-22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23-24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25-28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29-30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) - मौलिक कर्तव्य:

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

- (1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
- (2.) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
- (3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
- (4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
- (5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भावत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
- (6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
- (7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
- (8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
- (9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
- (10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
- (11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।



सामान्य-ज्ञान



प्रश्न 1: जापान की राजधानी क्या है?

उत्तर: टोक्यो

प्रश्न 2: भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति कौन थे?

उत्तर: डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

प्रश्न 3: ओणम पर्व किस राज्य की संस्कृति से जुड़ा है?

उत्तर: केरल

प्रश्न 4: 16 का वर्गमूल कितना होता है?

उत्तर: 4

प्रश्न 5: कोसी नदी किस राज्य में अधिक बाढ़ लाती है?

उत्तर: बिहार

प्रश्न 6: भारत का राष्ट्रीय वृक्ष कौन सा है?

उत्तर: बरगद

प्रश्न 7: टेलीफोन की खोज किसने की थी?

उत्तर: अलेक्जेंडर ग्राहम बेल

प्रश्न 8: भारत में संसद के कितने सदन होते हैं?

उत्तर: दो

प्रश्न 9: 'सूर्य' का पर्यायवाची शब्द बताइए।

उत्तर: रवि

प्रश्न 10: मानव शरीर में दाँत कितने होते हैं (वयस्क)?

उत्तर: 32

संकलन:-



पिन्दू कुमार

विद्यालय अध्यापक

UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

(I). व्यक्तिगत सर्वनाम (Personal Pronouns)

1. My / Mine – (माय / माइन) – मेरा / मेरी
2. Our / Ours – (आवर / आवर्स) – हमारा / हमारी
3. Your / Yours – (योर / योर्स) – तुम्हारा / आपका
4. His – (हिज़) – उसका (लड़का / पुरुष)
5. Her / Hers – (हर / हर्स) – उसकी (लड़की / स्त्री)
6. Its – (इट्स) – इसका / उसका (निर्जीव, जानवर)
7. Their / Theirs – (देयर / देयर्स) – उनका / उनकी



संकलन:-

सौरभ कुमार

विद्यालय अध्यापक

Govt. UMS गोइती

बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

Command:

- * अपना लंच निकालो → Take out your lunch.
- * लंच खोलो → Open your lunch box.
- * लंच करो → Have your lunch.
- * आराम से खाओ → Eat slowly.



सुनील कुमार राम

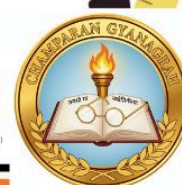
प्रधान शिक्षक

Govt. PS चिउटाही

बगहा-2, प. चम्पारण



"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)



1. 2 फरवरी को कौन सा विश्व दिवस मनाया जाता है? (दिवस ज्ञान)

उत्तर: विश्व आर्द्रभूमि दिवस

व्याख्या: 2 फरवरी को मनाया जाने वाला विश्व आर्द्रभूमि दिवस (World Wetlands Day) आर्द्रभूमियों के महत्व और संरक्षण के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। यह दिवस 1971 में ईरान के रामसर शहर में आर्द्रभूमि संरक्षण पर हुए कन्वेंशन (रामसर कन्वेंशन) की याद में मनाया जाता है। आर्द्रभूमियाँ जल संरक्षण, जैव विविधता और जलवायु नियमन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

संदर्भ: रामसर कन्वेंशन सचिवालय, 2026।

2. फरवरी 2026 में भारत सरकार ने "डिजिटल हेल्थ आईडी सिस्टम 2.0" का विस्तार किस आयु वर्ग तक किया? (समसामयिकी)

उत्तर: नवजात शिशु (जन्म के समय ही)

व्याख्या: स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा फरवरी 2026 में डिजिटल हेल्थ आईडी सिस्टम 2.0 का विस्तार करते हुए नवजात शिशुओं को जन्म के समय ही आधार-लिंकड स्वास्थ्य आईडी प्रदान करने की शुरुआत की गई। इससे जन्म से लेकर जीवन पर्यंत स्वास्थ्य रिकॉर्ड्स का डिजिटल संग्रहण संभव होगा और टीकाकरण, विकास निगरानी व आनुवंशिक रोग प्रबंधन में मदद मिलेगी।

संदर्भ: स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार, फरवरी 2026।

3. "The Glass Palace" पुस्तक के लेखक कौन हैं? (पुस्तक-लेखक)

उत्तर: अमिताव घोष

व्याख्या: अमिताव घोष का ऐतिहासिक उपन्यास "The Glass Palace" (2000) भारत, बर्मा (म्यांमार) और मलय देशों के इतिहास को 19वीं और 20वीं शताब्दी में फैले कथानक के माध्यम से दर्शाता है। यह उपन्यास बर्मा के अंतिम राजा थिबों के निर्वासन से शुरू होता है और भारतीय प्रवासी समुदाय के अनुभवों को दर्शाता है।

संदर्भ: HarperCollins India (2026)।

4. "केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान" किस पक्षी के लिए प्रसिद्ध है? (पर्यावरण)

उत्तर: साइबेरियाई सारस

व्याख्या: केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (पूर्व में भरतपुर पक्षी अभयारण्य) राजस्थान के भरतपुर में स्थित है और यह साइबेरियाई सारस (साइबेरियन क्रेन) के लिए प्रसिद्ध है, जो हर सर्दियों में यहाँ प्रवास करते हैं। यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है और 370 से अधिक पक्षी प्रजातियों का आवास है, जिनमें से कई प्रवासी हैं।

संदर्भ: NCERT Class 9 Geography, Ch 5 Natural Vegetation and Wildlife, p. 63।

5. "पानीपत का द्वितीय युद्ध" किस वर्ष हुआ? (इतिहास)

उत्तर: 1556

व्याख्या: पानीपत का द्वितीय युद्ध 5 नवंबर 1556 में मुगल सम्राट अकबर (बैरम खान के संरक्षण में) और हेमू (हेमचंद्र विक्रमादित्य) के बीच हुआ था। इस युद्ध में अकबर की विजय ने मुगल साम्राज्य की पुनर्स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हेमू ने दिल्ली पर कब्जा कर लिया था लेकिन युद्ध में घायल होने के बाद उसे बंदी बना लिया गया और मार डाला गया।

संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 4 The Mughal Empire, p. 54।

6. "सतलुज नदी" किस दर्रे से होकर भारत में प्रवेश करती है? (भूगोल)

उत्तर: शिपकी ला दर्रा

व्याख्या: सतलुज नदी तिब्बत (चीन) से शिपकी ला दर्रे (हिमाचल प्रदेश) से होकर भारत में प्रवेश करती है। यह हिमाचल प्रदेश और पंजाब से होकर बहती है और पाकिस्तान में चेनाब नदी में मिल जाती है। सतलुज की लंबाई भारत में 1,450 किमी है और यह भाखड़ा नंगल बाँध जैसी महत्वपूर्ण जलविद्युत परियोजनाओं का स्रोत है।

संदर्भ: NCERT Class 9 Geography, Ch 3 Drainage, p. 26।

7. भारतीय संविधान का "अनुच्छेद 360" किससे संबंधित है? (संविधान)

उत्तर: वित्तीय आपातकाल

व्याख्या: अनुच्छेद 360 भारतीय संविधान में वित्तीय आपातकाल का प्रावधान करता है, जिसे राष्ट्रपति तब लागू कर सकते हैं जब उन्हें लगे कि भारत या उसके किसी भाग की वित्तीय स्थिरता या साख खतरे में है। इस दौरान केंद्र सरकार राज्यों के वित्तीय मामलों पर नियंत्रण रख सकती है। अभी तक भारत में कभी वित्तीय आपातकाल लागू नहीं किया गया है।

संदर्भ: NCERT Class 11 Political Science, Ch 9 Constitution as a Living Document, p. 203।

8. "मानव शरीर में प्लाज्मा झिल्ली" का मुख्य कार्य क्या है? (विज्ञान)

उत्तर: कोशिका की सीमा बनाना और चयनात्मक पारगम्यता प्रदान करना

व्याख्या: प्लाज्मा झिल्ली (कोशिका झिल्ली) लिपिड और प्रोटीन की द्विस्तरीय संरचना है जो कोशिका की बाहरी सीमा बनाती है। इसका प्रमुख कार्य कोशिका को उसके वातावरण से अलग करना और आवश्यक पदार्थों के प्रवेश व अपशिष्टों के निष्कासन को नियंत्रित करना है। यह चयनात्मक रूप से पारगम्य है और संचार, संरक्षण और परिवहन में भूमिका निभाती है।

संदर्भ: NCERT Class 9 Science, Ch 5 The Fundamental Unit of Life, p. 61।

9. "मोलेला मृत्तिका शिल्प" किस राज्य से संबंधित है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: राजस्थान

व्याख्या: मोलेला मृत्तिका शिल्प राजस्थान के राजसमंद जिले के मोलेला गाँव की एक पारंपरिक मिट्टी की मूर्तिकला है। इसमें स्थानीय मिट्टी का उपयोग करके हिंदू देवी-देवताओं, पौराणिक पात्रों और स्थानीय देवताओं की मूर्तियाँ बनाई जाती हैं, जिन्हें प्राकृतिक रंगों से सजाया जाता है। यह कला 500 वर्ष से अधिक पुरानी है और एक विशिष्ट शैली में की जाती है।

संदर्भ: NCERT Class 7 History, Ch 9 The Making of Regional Cultures, p. 144।

10. बिहार के किस जिले में "नालंदा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम" स्थित है? (बिहार GK)

उत्तर: नालंदा (बिहारशरीफ)

व्याख्या: नालंदा अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम (मोईन-उल-हक स्टेडियम) बिहार के नालंदा जिले के बिहारशरीफ शहर में स्थित है। यह बिहार का एक प्रमुख खेल स्टेडियम है जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट मैच आयोजित करने के लिए सुसज्जित है और राज्य के खेल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

संदर्भ: Bihar Board Class 8 Social Science, Ch 7 Sports and Culture in Bihar, p. 54।

11. भूकंप के दौरान यदि आप कक्षा में हों तो सुरक्षा के लिए तत्काल क्या कार्रवाई करनी चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा फरवरी W1)

उत्तर: तत्काल "ड्रॉप, कवर एंड होल्ड ऑन" कार्रवाई करनी चाहिए: फर्श पर झुक जाएं, मजबूत डेस्क या टेबल के नीचे छिप जाएं और उसकी टांग मजबूती से पकड़ लें ताकि झटकों के साथ सुरक्षित स्थान से बाहर न खिसके। यह प्रोटोकॉल विद्यार्थियों को गिरते पंखों, शीशे और अन्य वस्तुओं से सिर व शरीर की रक्षा करने का सबसे प्रभावी तरीका है। कक्षा में इस नियम का पालन करने से 95% से अधिक चोटों से बचा जा सकता है।

12. 2 अंकों की एक संख्या के अंकों का योग 9 है। यदि संख्या के अंक उलट दिए जाएँ, तो नई संख्या मूल संख्या से 27 कम हो जाती है। मूल संख्या क्या है? (मानसिक योग्यता)

उत्तर: 63

व्याख्या: माना संख्या = $10x + y$, जहाँ x दहाई का अंक और y इकाई का अंक है, $x + y = 9$... (1), उलटने पर नई संख्या = $10y + x$, प्रश्नानुसार: $(10x + y) - (10y + x) = 27$
 $9x - 9y = 27$, $x - y = 3$... (2), समीकरण (1) और (2) को हल करने पर: $x = 6$, $y = 3$
 मूल संख्या = $10 \times 6 + 3 = 63$
 संदर्भ: Mathematics for Class 8, NCERT (पृष्ठ 245)।

GK संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

Govt. PS बोदसर

बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

1. Encourage (इन्क्रेज) = Motivate (मोटिवेट) = प्रोत्साहित करना
 Antonym - Discourage (डिस्क्रेज) = हतोत्साहित करना
2. Assist (असिस्ट) = Help (हेल्प) = सहायता करना
 Antonym - Hinder (हिंडर) = बाधा डालना
3. Expand (एक्सपैंड) = Enlarge (इनलार्ज) = विस्तार करना
 Antonym - Reduce (रिड्यूस) = घटाना
4. Accept (एक्सेप्ट) = Receive (रिसीव) = स्वीकार करना
 Antonym - Reject (रिजेक्ट) = अस्वीकार करना
5. Protect (प्रोटेक्ट) = Safeguard (सेफगार्ड) = सुरक्षा करना
 Antonym - Endanger (एन्डेंजर) = खतरे में डालना

~: संकलन :~

घनश्याम प्रसाद

प्रधान शिक्षक

Govt. PS सिधाव थारुटोला

बगहा-2, प. चम्पारण ।





"आज का अखबार"

NATIONAL NEWS



Finance Minister Nirmala Sitharaman presents Union Budget 2026-27 in Parliament.

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में केंद्रीय बजट 2026-27 पेश किया। बजट में 'विकसित भारत 2047' दृष्टि को ध्यान में रखते हुए रोजगार, ग्रामीण विकास, विनिर्माण एवं बुनियादी ढांचा पर जोर दिया गया है।

Union Budget 2026-27 places exports at core of growth strategy.

केंद्रीय बजट 2026-27 में निर्यात को विकास रणनीति का केंद्र बनाया गया।

निर्यात प्रोत्साहन, वैश्विक बाजार में भारतीय उत्पादों को बढ़ावा देने एवं रोजगार सृजन पर विशेष ध्यान दिया गया है।

Government announces new scheme for SC/ST students in higher education.

सरकार ने उच्च शिक्षा में एससी/एसटी छात्रों के लिए नई योजना घोषित की।

स्कॉलरशिप, स्टैडिपेंड एवं कोचिंग सुविधाएं शामिल, जो राज्य के सामाजिक वर्गों को लाभ पहुंचाएंगी।

INTERNATIONAL NEWS

Trump warns of 'devastating' retaliation if US attacks Iran; Turkey plans Iran incursion.

ईरान ने अमेरिकी हमले की स्थिति में 'भयावह' प्रतिशोध की चेतावनी दी; तुर्की ने ईरान में प्रवेश की योजना बनाई।

ईरान ने युद्ध की तैयारी की, जबकि तुर्की ने ईरान के भीतर सैन्य कार्रवाई की घोषणा की।

US continues pressure on Venezuela; Maduro regime faces isolation.

वेनेजुएला पर अमेरिकी दबाव जारी; मादुरो सरकार अलगाव का सामना कर रही।

यूएस ने निकोलस मादुरो को गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क ले गया, जिससे देश अंतरराष्ट्रीय अलगाव में।

Syrian government reaches deal with Kurdish forces for gradual integration.

सीरियाई सरकार ने कुर्दिश बलों के साथ धीरे-धीरे एकीकरण के लिए समझौता किया।

समझौते से कुर्दिश बलों एवं प्रशासन को सीरियाई राज्य में शामिल किया जाएगा, जो युद्ध के बाद स्थिरता लाने के लिए महत्वपूर्ण है।



BIHAR NEWS



Bihar govt launches new scheme for SC/ST students in higher education.

बिहार सरकार ने उच्च शिक्षा में एससी/एसटी छात्रों के लिए नई योजना शुरू की।

स्कॉलरशिप, स्टाइपेंड एवं कोचिंग सुविधाएं शामिल, जो राज्य के सामाजिक वर्गों को लाभ पहुंचाएंगी।

Bihar Legislative Assembly passes resolution on Republic Day 2026 celebrations.

बिहार विधानसभा ने गणतंत्र दिवस 2026 समारोह पर प्रस्ताव पारित किया।

पटना गांधी मैदान पर ध्वजारोहण एवं परेड की सफलता की सराहना की गई।

SPORTS NEWS

India knocks out Pakistan in U19 World Cup 2026 Super Six match by 58 runs.

U19 विश्वकप 2026 सुपर सिक्स मैच में भारत ने पाकिस्तान को 58 रन से हराया।

भारत ने पाकिस्तान को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जो टूर्नामेंट में भारत की मजबूत प्रदर्शन को दर्शाता है।

Carlos Alcaraz wins Australian Open 2026, youngest man to complete career Grand Slam.

कार्लोस अलकराज़ ने ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 जीता, करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे युवा पुरुष।

22 वर्षीय अलकराज़ ने नोवाक जोकोविच को हराकर अपना सातवाँ मेजर खिताब जीता।



संकलन:-

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण ।

आइए, मिलकर बच्चों के भविष्य को सिर्फ सूचना से नहीं, समझ से सशक्त करें।

“तालाब की आवाज़”

(2 फ़रवरी | विश्व आर्द्रभूमि दिवस विशेष)

गाँव के बाहर एक छोटा-सा तालाब था। कभी वहाँ कमल खिले रहते, मेंढक टरते और सुबह-सुबह पक्षियों की चहचहाहट गूँजती थी। गाँव के बच्चे वहीं खेलते और मवेशी पानी पीते थे। लेकिन समय के साथ लोग तालाब को भूलने लगे। कोई कचरा फेंक देता, कोई मिट्टी डाल देता। धीरे-धीरे तालाब सूखने लगा।

एक दिन स्कूल में मैडम ने बताया,

“2 फ़रवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस मनाया जाता है। तालाब, झीलें और दलदल हमारे लिए बहुत ज़रूरी हैं। ये पानी बचाते हैं और पक्षियों का घर होते हैं।”

यह सुनकर नीलू चुप हो गई। उसे अपने गाँव का तालाब याद आ गया। स्कूल से लौटते समय वह तालाब के पास गई। सूखी मिट्टी और फैला कचरा देखकर उसे ऐसा लगा जैसे तालाब उससे कुछ कहना चाहता हो।

नीलू ने दोस्तों को बुलाया।

“अगर तालाब खत्म हो गया, तो पानी कहाँ से आएगा?” उसने पूछा।

सबने मिलकर सफ़ाई शुरू की। किसी ने कचरा उठाया, किसी ने झाड़ू लगाई। अगले दिन बच्चों ने अपने माता-पिता को भी साथ लाया। कुछ ही दिनों में तालाब का रूप बदलने लगा। बारिश आई तो पानी फिर भर गया। पक्षी लौट आए, मेंढक फिर टरने लगे।

मैडम ने बच्चों की तारीफ़ की और कहा,

“तुम सबने समझ लिया कि प्रकृति की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।”

नीलू मुस्कुराई। उसे लगा जैसे तालाब ने धन्यवाद कहा हो।

सीख:

छोटे प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

आर्द्रभूमियाँ बचेंगी, तभी जल और जीवन बचेगा। 🌱



.....
मनोज कुमार

प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण



"शिक्षक संवर्धन"

"विद्यालय स्वच्छ कैसे बनाएं?"



स्वच्छ वातावरण में रहने से स्वास्थ्य पर अच्छा प्रभाव पड़ता है। विद्यालय एक वह स्थान है जहाँ प्रतिदिन लगभग सात घंटे छात्र अपना समय व्यतीत करते हैं। अतः हमें अपने विद्यालय स्वच्छता सम्बन्धित कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए। स्वच्छता कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य बच्चों में साफ़-सफाई की आदत डालना तथा विद्यालय में स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण देना है। विद्यालय में इस कार्यक्रम को नियमित रूप से आयोजित करने के लिए हमें विद्यालय के शिक्षकों और छात्रों के बीच से एक स्वच्छता समिति का गठन करना चाहिए जिसमें प्रधानाध्यापक या वरीय शिक्षक तथा विद्यालय के बाल संसद, यूथ क्लब, इको क्लब और मीना मंच जैसे छात्र संगठन कुछ छात्र शामिल हो सकते हैं। हमें विद्यालय में एक स्वच्छता प्रभारी शिक्षक नामित करना चाहिए साथ ही बाल संसद के स्वच्छता मंत्री को उनके साथ सहयोग के लिए जोड़ना चाहिए।

प्रत्येक शनिवार को विद्यालय में स्वच्छता समिति की बैठक सनिश्चित कराते हुए एक-एक सदस्य की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। विद्यालय के लिए एक स्वच्छता योजना बनाई जानी चाहिए। प्रतिदिन प्रार्थना सभा में प्रधानाध्यापक या प्रभारी शिक्षक को छात्रों के बीच स्वच्छता संदेश प्रसारित करना चाहिए। स्वच्छता पर विचार करते हुए सबों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना चाहिए। स्वच्छ विद्यालय स्वस्थ छात्र, गंदगी यत्र तत्र न फेंके, डस्टबीन का उपयोग करें, हाथ धोने के बाद ही खाना खाए, गीले कचरे के डिब्बे में ही गीला कचरा डालें जैसे नारे या स्लोगन को विद्यालय के दिवारों पर लगाया जाना चाहिए। विद्यालय में गीले कचरे और सूखे कचरे के निस्तारण के लिए अलग-अलग-अलग डस्टबीन होना चाहिए। कक्षा में स्वच्छता व्यवस्था के लिए प्रत्येक कक्षा में ढक्कन युक्त डस्टबीन लगाया जाना चाहिए।

प्रत्येक दिन परिसर, कक्षा शौचालय आदि की साफ़-सफाई की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए। विद्यालय की साफ-सफाई हेतु नामित स्वच्छता एजेंसी के प्रतिनिधि द्वारा विद्यालय में की जा रही सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया जाना चाहिए। बच्चों को स्कूल नियमित रूप से स्नान कर स्वच्छ गणवेश में आने हेतु प्रेरित करना चाहिए। प्रतिदिन सबसे स्वच्छ छात्र एवं सबसे स्वच्छ कक्षा का पुरस्कार देकर भी छात्रों को स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। कक्षा में स्वच्छता की जिम्मेदारी तय करने के लिए कक्षा सफाई मंत्री बनाते हुए बारी-बारी से बच्चों को कक्षा स्वच्छता की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। छात्र कूड़ा इधर-उधर न फेंकें यह सुनिश्चित करना चाहिए। छात्रों में हाथ धोने की आदत डालने के लिए प्रतिदिन उन्हें मध्याह्न भोजन से पहले साबुन से हाथ धुलवाना चाहिए। हाथ धोने की उचित विधि की शिक्षा छात्रों को देनी चाहिए। समय-समय पर छात्रों को जागरूक करने के लिए स्वच्छता पर पोस्टर, निबंध, चित्रकला प्रतियोगिताएँ विद्यालय में आयोजित किया जाना चाहिए। इसके अलावा स्वच्छता दिवस एवं अभियान जैसे कार्यक्रमों का आयोजन विद्यालय में किया जाना चाहिए। विद्यालय स्वच्छता अभियान में अभिभावकों की सहभागिता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। विद्यालय में अभिभावक बैठक में स्वच्छता पर चर्चा करते हुए उन्हें बच्चों को घर में भी साफ़ रखने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

इस प्रकार के कार्यक्रम यदि हम अपने विद्यालय में आयोजित करते हैं तो विद्यालय के छात्र न केवल स्वच्छ, स्वस्थ और अनुशासित बनते हैं बल्कि विद्यालय का वातावरण भी सुंदर रहता है। तो आइए हम अपने विद्यालय को स्वच्छ बनाने की ओर एक क़दम बढ़ाएँ।

.....
मनोज कुमार झा
 प्रधानाध्यापक
 राजकीयकृत म.वि. सर्वोदय
 बेतिया, प. चम्पारण।



प्रिय विद्यार्थियों,

आज का दिन कई छात्रों के जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। बिहार इंटरमीडिएट परीक्षा आज 2 फ़रवरी से आरंभ हो चुकी है और मैट्रिक परीक्षा 17 फरवरी से शुरू होने वाली है। यह समय घबराने का नहीं, बल्कि अपने ऊपर विश्वास करने और पूरे संयम के साथ आगे बढ़ने का समय है।

इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों के लिए—

आज का पहला पेपर आपके आत्मविश्वास की असली परीक्षा है। याद रखें, आपने पूरे वर्ष जो पढ़ाई की है, वही आज आपके साथ है। परीक्षा कक्ष में प्रवेश करते समय गहरी साँस लें और मन को शांत रखें। प्रश्न-पत्र मिलने के बाद पहले उसे ध्यान से पढ़ें। सभी प्रश्नों को समझकर ही उत्तर लिखना शुरू करें। जिन प्रश्नों पर आपकी पकड़ मजबूत है, उन्हें पहले हल करें—इससे आत्मविश्वास बढ़ेगा और समय प्रबंधन बेहतर होगा।

उत्तर लिखते समय भाषा सरल, स्पष्ट और बिंदुवार रखें। जहाँ आवश्यक हो वहाँ उदाहरण अवश्य दें। साफ़-सुथरी लिखावट, सही अनुच्छेद और संतुलित उत्तर परीक्षक पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं।

मैट्रिक के विद्यार्थियों के लिए—

आपके पास अब सीमित लेकिन बेहद कीमती समय है। इस समय पूरे सिलेबस को नए सिरे से पढ़ने की कोशिश न करें। दोहराव (Revision) ही सबसे बड़ा हथियार है। महत्वपूर्ण सूत्र, परिभाषाएँ, तिथियाँ, मानचित्र, व्याकरण के नियम और गणित के प्रश्नों का अभ्यास करें। प्रतिदिन थोड़ा-सा लेखन अभ्यास करें, ताकि परीक्षा में गति और स्पष्टता बनी रहे।

सभी विद्यार्थियों के लिए कुछ जरूरी बातें—

परीक्षा के दिनों में नींद से समझौता न करें। पर्याप्त नींद याददाश्त और एकाग्रता दोनों को मजबूत करती है। हल्का, पौष्टिक और समय पर भोजन करें। चाय-कॉफी या मोबाइल का अधिक उपयोग तनाव बढ़ा सकता है, इससे बचें।

दूसरों की तैयारी से अपनी तुलना करना छोड़ दें। हर छात्र की क्षमता और तैयारी अलग होती है। नकारात्मक बातें, अफवाहें और डर फैलाने वाली चर्चाओं से दूरी बनाए रखें।

अंत में यही संदेश है—

परीक्षा जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक पड़ाव है। परिणाम चाहे जो हो, आपकी मेहनत कभी व्यर्थ नहीं जाती। शांत मन, सकारात्मक सोच और आत्मविश्वास—यही सफलता की असली कुंजी है।

आपने तैयारी की है, आप सक्षम हैं और आप सफल होंगे।

आप सभी विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

परीक्षा नहीं, आपका आत्मविश्वास जीतेगा। जय हिन्द...! 🌟



रवीन्द्र कुमार

ज़िला शिक्षा पदाधिकारी

प. चम्पारण, बेतिया।





मोहनलाल राम
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. करमहवा
टोला,
बगहा -2, प. चम्पारण

अंतिम संबोधन - 31.01.2026

आदरणीय मुख्य अतिथि महोदय,
प्रिय सहकर्मिगण, मेरे प्यारे शिक्षक-शिक्षिकाओं,
मेरे बच्चे—प्रिय छात्र-छात्राओं एवं उपस्थित सभी प्रियजन,

आज का यह पल मेरे जीवन की सबसे भावुक घड़ी है। जैसे कोई पुराना साथी अलविदा कहता है, वैसे ही आज मैं अपने इस प्रिय बगहा-2 प्रखंड के शिक्षा परिवार से विदाई ले रहा हूँ। 31 जनवरी 2026—यह तारीख मेरे लिए सिर्फ सेवानिवृत्ति की नहीं, बल्कि अनगिनत यादों, संघर्षों और सफलताओं की एक किताब का अंतिम पन्ना है। मेरे हृदय में उमड़ते भावों को शब्दों में बांधना कठिन है, क्योंकि आप सभी ने मुझे इतना प्यार दिया है कि मैं खुद को कभी अकेला महसूस नहीं किया। आंसुओं के बीच मुस्कराते हुए, मैं कहना चाहता हूँ कि यह विदाई नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है—आपकी यादों के साथ मेरी।

सबसे पहले, आप सभी के प्रति मेरी हार्दिक कृतज्ञता। आपकी उपस्थिति, आपका स्नेह, आपका अटूट विश्वास—यही मेरे कार्यकाल की सबसे बड़ी पूंजी रही है। मैंने कभी पद की गरिमा को अपने व्यवहार में बाधा नहीं बनने दिया। मैं वही सहज, वही विनम्र और वही सादगीपूर्ण बिजय कुमार यादव रहा हूँ, जो पहले था। बिहार शिक्षा सेवा में प्रोन्नति के बाद भी यदि मेरी वही पुरानी मुस्कान, वही मिलनसार स्वभाव और वही सरलता आपको दिखाई दी, तो यह आप सभी के प्रेम और सहयोग का परिणाम है। आपने मुझे कभी ऊँचा-नीचा नहीं समझा; बल्कि, हर छोटे-बड़े ने मेरे प्रति गहरा सम्मान दिखाया। यह सम्मान मेरे लिए पदक से कम नहीं—यह मेरे दिल की सबसे कीमती संपदा है। कभी-कभी सोचता हूँ, क्या मैं इसके योग्य हूँ? लेकिन आपका प्यार ही मेरी ताकत रहा है।

अब बात उन उपलब्धियों की, जो हमने मिलकर हासिल कीं। मेरे कार्यकाल में बगहा-2 प्रखंड, खासकर अतिरिक्त क्षेत्र, शिक्षा के नवाचारों में सदैव अग्रणी रहा। लगभग हर विद्यालय में हमने BALA (बिल्डिंग ऐज लर्निंग एड) पेंटिंग्स की रंगीन शुरुआत की—वे दीवारें अब सिर्फ ईंटों की नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों की कैनवास बन गईं। स्मार्ट क्लासरूम की स्थापना ने शिक्षा को आधुनिक बनाया, जहाँ बच्चे स्क्रीन पर दुनिया देखकर सीखते हैं। साउंड सिस्टम, माइक आदि की व्यवस्था ने कक्षाओं को जीवंत बना दिया—अब शिक्षकों की आवाज हर कोने तक पहुँचती है, और बच्चे उत्साह से भाग लेते हैं। हमने पॉडियम खरीदकर उपयोग किया, ताकि हर कार्यक्रम गरिमामय हो। रनिंग वाटर और हैंड वाश स्टेशन की सुविधा ने स्वच्छता को प्राथमिकता दी—बच्चे अब स्वस्थ रहकर पढ़ाई करते हैं। सुंदर शौचालय, सुंदर कार्यालय और विद्यालय परिसर में हरी-भरी गार्डनिंग ने पूरे वातावरण को बदल दिया। ये फूल, ये हरियाली—ये सिर्फ सजावट नहीं, बल्कि बच्चों के मन को शांत और प्रेरित करने वाले माध्यम हैं। BRC बगहा - 2 परिसर की चहारदीवारी, मिट्टी भराई एवं 2022 बैच के शिक्षकों के सहयोग से निर्मित गुरु वाटिका बगहा - 2 के शिक्षकों की गौरव गाथा का अमर संदेश सदा देता रहेगा।

ये सब प्रयास मात्र स्थानीय स्तर तक सीमित नहीं रहे; राज्य स्तर तक इनकी प्रशंसा हुई। प्रखंड बगहा-2 का अतिरिक्त क्षेत्र हमेशा नवाचारों में सबसे आगे रहा—यह हमारी सामूहिक मेहनत का प्रमाण है। हमारे विद्यालय सुंदर, सुसज्जित, समयबद्ध, नियमबद्ध, बेहतर प्रबंधन युक्त और अधिकांशतः शिकायत रहित रहे।



बिजय कुमार यादव
प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी
(बिहार शिक्षा सेवा)
बगहा -2, अतिरिक्त
प. चम्पारण।

आईए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌟

ये जिला से लेकर राज्य तक के पदाधिकारियों के लिए आकर्षण के केंद्र बने। उदाहरण के लिए, प्राथमिक विद्यालय रोहुआ टोला, प्राथमिक विद्यालय करमहवा टोला, प्राथमिक विद्यालय केरई-बेरई, उत्कर्मित मध्य विद्यालय सोहरिया, उत्कर्मित मध्य विद्यालय मदनपुर, उत्कर्मित उच्च विद्यालय लक्ष्मीपुर—ये दर्जनों विद्यालय विभिन्न स्तरों पर प्रशंसा के पात्र बने। सभी पदाधिकारी गण यह मानते हैं कि बगहा-2 क्षेत्र, खासकर अतिरिक्त क्षेत्र, पूरे जिले में सबसे बेहतर स्थिति में है। यह सुनकर मेरा हृदय गर्व से भर जाता है, लेकिन साथ ही भावुक भी—क्योंकि यह सफलता मेरी अकेली नहीं, हम सबकी है।

इन सबके पीछे कुछ विशेष व्यक्तियों का अतुलनीय योगदान रहा। इस अवसर पर मैं आदरणीय श्री फणीशचंद्र पाठक जी, सेवानिवृत्त प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी बगहा-2, एवं पूर्व BRP शैलेन्द्र कुमार और पिंटू जी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ। आपका सहयोग, आपकी रचनात्मकता और आपका समर्पण—ये सबने मिलकर इन नवाचारों को साकार किया। आप जैसे साथी मिले, इसलिए मैं खुद को भाग्यशाली मानता हूँ।

वर्तमान प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी आदरणीय फूदन बाबू का भी हर कदम पर लगातार अतुलनीय साथ एवं समर्थन मुझे मिलता रहा। वह भी एक सकारात्मक सोच और विकासवादी कार्यों को आगे बढ़ाने वाले व्यक्तियों में से हैं। इनका व्यक्तित्व भी अत्यंत सहज एवं शालीन है। मैं इनके साथ और सहयोग के लिए तहे दिल से इनका आभार प्रकट करता हूँ और आप सभी से अपील करता हूँ की इनको अपना सहयोग और समर्थन सदा देते रहें।

अब जा रहे समय में मैं केवल

इतना कहना चाहता हूँ—इस प्रखंड के शिक्षा परिवार को और मजबूत बनाइए। नए आने वाले साथियों को पूरा सहयोग दीजिए। हमारे बच्चे ही हमारा भविष्य हैं—उनके लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करते रहिए। मैं उम्मीद करता हूँ कि बगहा-2 अपनी प्रतिष्ठा एवं संस्कृति के अनुकूल ऐसे ही सदैव विभिन्न नवाचारी एवं सकारात्मक कार्यों में लगातार आगे रहेगा। यह कार्य संस्कृति आगे भी जारी रहेगी—यह मेरा विश्वास है।

मेरे परिवार, मेरे सहकर्मियों, मेरे शिक्षक साथियों और इन मासूम बच्चों—आप सबका हृदय से आभार। आपका दिया हुआ प्यार, सम्मान और यादें मेरे साथ हमेशा रहेंगी। सेवानिवृत्ति के बाद भी, यदि कभी जरूरत पड़े, तो मैं हमेशा उपलब्ध रहूँगा। आंसुओं के साथ मुस्कुराते हुए अलविदा कहता हूँ—नहीं, मिलते रहेंगे।

धन्यवाद।

आप सब सदा खुश, स्वस्थ और समृद्ध रहें।

जय हिंद!

बिजय कुमार यादव

प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी

(बिहार शिक्षा सेवा)

बगहा -2, अतिरिक्त

प. चम्पारण।





Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और
जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌱🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य
समय देने के लिए...!!!



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

☎ -9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई
इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव
की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

☎ +917250818080

✉ teachersofbihar@gmail.com

☎ +917250818080

🌐 www.teachersofbihar.org

